दैनिक दबंग दुनिया
इंदौर, गुरुवार, 14 जुलाई 2016

जनता के लिए साइबर सुरक्षा का विशेष एप लांच

उधर, पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (पीआरटीएस) ने जनता की सुरक्षा के लिए विशेष एप तैयार किया है। वरुण कपूर (संस्था के निदेशक व एडीजी, नारकोटिक्स) ने बताया कि एप का नाम Be-Smart है। इसे नागरिक अपने डेस्कटॉप व लैपटॉप पर BEhttp://prts-mpolice.nic.in से निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। इसमें विभिन्न साइबर अपराधों की जानकारी है। साथ ही कुछ पूर्व चिह्नित व हार्मफुल साइट्स को ब्लॉक भी कर सकते हैं। इस एप को आर्मर इन्फोसेक के निदेशक सचिन वर्मा ने बनाया है। बुधवार को डीजीपी ऋषिकुमार शुक्ला ने इसे लांच किया। इस एप से नागरिकों की साइबर सुरक्षा में वृद्धि होगी।

35 हजार लोग हुए लाभान्वित

कपूर ने बताया सुरक्षा प्रशिक्षण में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए पीआरटीएस ने करीब 105 विशेष प्रशिक्षण आयोजित किए हैं। इनमें देशभर के पुलिस, अर्द्धसैनिक बलों व सेना के पांच हजार अफसरों को प्रशिक्षित किया गया। साइबर सुरक्षा जागरूकता के तहत कार्यशालाओं में करीब 35 हजार नागरिक भी लाभान्वित किए गए।

पुलिस व ट्रैफिक कंट्रोल रूम का निरीक्षण

डीजीपी ने सुबह 11 से 12 बजे तक कंट्रोल रूम में मातहतों की बैठक ली। साथ ही कंट्रोल रूम का निरीक्षण भी किया। इसके बाद वे ट्रैफिक कंट्रोल रूम (एमटीएच) कंपाउंड पहुंचे, जहां आरएलवीडी सिस्टम से बन रहे चालान की जानकारी ली और काम पर संतोष जताया।

आईआईएम ऐसे प्रोग्राम आयोजित करता रहे

आईआईएम में लीडरशिप प्रोग्राम फॉर मप्र पुलिस के दो दिनी आयोजन का समापन डीजीपी ऋषिकुमार शुक्ला के आतिथ्य में हुआ। प्रोग्राम का उद्देश्य पुलिस अफसरों की नेतृत्व क्षमता बढ़ाना, समन्वय तथा प्रबंधन मजबूत करना था। इसमें एसआई से एडीशनल एसपी स्तर तक के 40 अफसरों ने भाग लिया। डीजीपी ने कहा विभाग में नेतृत्व का अपना महत्व है। प्रोग्राम के समन्वयक प्रो. रणजीत नंबूदिरी ने कहा कि इसकी पहल छह माह पहले की गई थी। इस अवसर पर आईआईएम के डायरेक्टर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने भी संबोधित किया।